



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 193]
No. 193]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 2, 1995/वैशाख 12 1917
NEW DELHI, TUESDAY, MAY 2, 1995/VAISAKHA 12, 1917

कम्पनी विधि बोर्ड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 मई, 1995

सांकांनि० 374(अ).—कम्पनी विधि बोर्ड, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 10ड की उप-धारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कम्पनी विधि बोर्ड विनियम, 1991 का संशोधन करती है, अर्थात्:—

1. (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम कम्पनी विधि बोर्ड (संशोधन) विनियम, 1995 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. कम्पनी विधि बोर्ड विनियम, 1991 के (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल विनियम कहा गया है) विनियम 4 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“किसी न्यायपीठ द्वारा निपटाए जाने वाले मामलों को विनिर्दिष्ट करने की अध्यक्ष की शक्ति:

4. (1) अध्यक्ष के लिए यह उपबंध करना विधिपूर्ण होगा कि धारा 235, 237, 247, 248, 250, 388ब, 408 और 409 के अन्तर्गत आने वाले मामले तथा अधिनियम के भाग 6 के अध्याय 6 के अन्तर्गत और एकाधिकार अधिनियम की धारा 2क के अन्तर्गत आने वाले मामले

अध्यक्ष या उपाध्यक्ष सहित दो से अन्यून सदस्यों से मिलकर बनने वाले न्यायपीठ द्वारा (जिसे मुख्य न्यायपीठ के रूप में जाना जाएगा) निपटाए जाएंगे।

(2) मुख्य न्यायपीठ नई दिल्ली में होगा, किन्तु मुख्य न्यायपीठ भारत में ऐसे स्थानों पर और ऐसे समय पर अधिविष्ट हो सकेगा जो भारत में उसकी शक्तियों और कृत्यों के प्रयोग में सार्वधिक सुविधाजनक हों;

(3) अध्यक्ष के लिए यह उपबंध करना विधिपूर्ण होगा कि अधिनियम की धारा 111 और धारा 269 तथा प्रतिभूति अधिनियम की धारा 22क के अन्तर्गत आने वाले मामले दो से अन्यून सदस्यों से मिलकर बनने वाले न्यायपीठ द्वारा निपटाए जाएंगे;

(4) अन्य सभी मामले जिनके अन्तर्गत इस विनियम के उपविनियम (1) और उपविनियम (3) के अन्तर्गत आने वाले मामलों से संबंधित अन्तर्वर्ती और प्रकीर्ण आवेदन भी हैं, एकल सदस्य से मिलकर बनने वाले न्यायपीठ द्वारा सुने और विनिश्चित किए जा सकेंगे;

परन्तु विनियम 7 में किसी बात के होते हुए भी, अध्यक्ष के लिए यह विधिपूर्ण होगा कि वह किसी प्रादेशिक न्यायपीठ के सनक्ष लंबित किन्हीं मामलों को, ऐसे से, जो लेखबद्ध किए जाएंगे, मुख्य न्यायपीठ को अन्तो करें।”

3. मूल विनियम में, विनियम 49 के पश्चात् निम्न-लिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"50. सदस्यों के लिए, प्राधिकृत प्रतिनिधियों के लिए और स्वयं पक्षकारों के लिए पोशाक :

(1) सदस्यों के लिए :

सदस्यों के लिए पोशाक टाई सहित सूट या पैट के ऊपर बन्द गले का कोट होगा।

(2) प्राधिकृत प्रतिनिधियों के लिए :

ऐसा प्राधिकृत प्रतिनिधि, जो वृत्ति है, न्याय-पीठ के समक्ष अपनी वृत्तिक पोशाक में, यदि कोई हो, उपस्थित होगा और यदि ऐसी कोई पोशाक नहीं है, तो—

(क) पुरुष की दशा में, टाई सहित सूट या पैट के ऊपर बन्द गले का कोट।

(ख) महिला की दशा में, सादे रंग की साड़ी या कोई अन्य पोशाक।

(3) स्वयं पक्षकारों के लिए :

कम्पनी विधि बोर्ड के समक्ष स्वयं उपस्थित होने वाले पक्षकार समुचित पोशाक में होंगे।

[फा०सं० 1(10)38-सी०एल० 5/सी०एल०बी०]

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से,
ए०आर० रामानाथन, सदस्य

टिप्पणी :—प्रधान विनियम

1. सा०का०नि० संख्या 291(अ) दिनांक 31-5-91 तत्पश्चात् संशोधन द्वारा।
2. सा०का०नि० संख्या 492(अ) दिनांक 14-5-92
3. सा०का०नि० संख्या 593(अ) दिनांक 25-7-94

COMPANY LAW BOARD

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd May, 1995

G.S.R. 374(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (6) of Section 10E of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Company Law Board Regulations, 1991, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Company Law Board (Amendment) Regulations, 1995.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. For Regulation 4 of the Company Law Board Regulations, 1991 (hereinafter referred to as Principal Regulation) the following shall be substituted, namely :—

"Power of the Chairman to specify matters which may be dealt with by a Bench :

4. (1) It shall be lawful for the Chairman to provide that matters falling under sections 235, 237, 247, 248, 250, 388B, 408 and 409 and matters falling under Chapter VI of Part VI of the Act and under section 2A of the Monopolies Act shall be dealt with by a Bench consisting of not less than two members including the Chairman or the Vice Chairman (which shall be known as the Principal Bench).

(2) The Principal Bench shall be at New Delhi but the Principal Bench may sit at such places in India and at such time as may be most convenient in exercise of its powers and functions in India.

(3) It shall be lawful for the Chairman to provide the matters falling under sections 111 and 269 of the Act and under section 22A of the Securities Act shall be dealt with by a Bench consisting of not less than two members;

(4) All other matters including interlocutory and miscellaneous applications connected with the matters falling under Sub-regulations (1) and (3) of this regulation may be heard and decided by a Bench consisting of a single member:

Provided that notwithstanding anything contained in Regulation 7, it shall be lawful for the Chairman to transfer any matters pending before any Regional Bench to the Principal Bench, for reasons to be recorded in writing."

3. In the Principal Regulation, after Regulation 49, the following shall be inserted,

namely :—

“50. Dress for the members, for the Authorised Representatives and for the parties in person :

(1) For the Members.—The dress for the members will be suit with a tie or buttoned-up coat over a pant.

(2) For the Authorised Representatives.—An Authorised Representative who is a professional, shall appear before the Bench in his/her professional dress, if any, and if there is no such dress,—

(a) In the case of male, a suit with a tie or buttoned-up coat over a pant.

(b) In the case of female, in a saree or any other dress of a sober colour.

(3) For parties in person.—Parties appearing in person before the Company Law Board shall be properly dressed.

[F. No. 1(10)88-CL.V[CLB]]

By Order of the Company Law Board

A.R. RAMANATHAN, Member

Foot Note : Principal Regulation;

(1) G.S.R. No. 291(E) dated 31-5-91 subsequently amended by —

(2) G.S.R. No. 492(E) dated 14-5-92.

(3) G.S.R. No. 593(E) dated 25-7-94.

